

Estd. 1978

YPSM HOMOEOPATHIC MEDICAL COLLEGE, HOSPITAL & RESEARCH CENTRE

(A Medical College of IET Group of Institutions)

Recognized by National Commission for Homoeopathy (NCH), Department of AYUSH
(Government of India) Affiliated to Dr. S. R. Rajasthan Ayurved University, Jodhpur

www.ypsmhomoeocollege.in

B.H.M.S.

(Bachelor of Homoeopathic
Medicine & Surgery)

(4 ½ Years Degree Course)

46
YEARS OF
EXCELLENCE



About the College

YPSM Homoeopathy Medical College was Established in 1978 under the Management of Shri Mahaveer Homoeopathy Medical College Samiti. Since then the College is imparting Education in Homoeopathic Medical Science (BHMS). The College is Recognized by National Commission for Homoeopathy, Department of AYUSH (Government of India) and Affiliated to Dr. S. R. Rajasthan Ayurved University, Jodhpur.



About the Management



Dr. V. K. Agarwal
MBBS, DCH
Chairman



Dr. Manju Agarwal
MBBS, DGO
Executive Director

The College is managed by a group of qualified and dedicated professionals from Medical, Homoeopathy and other sectors under the Chairmanship of **Dr. V. K. Agarwal (MBBS, DCH)** and **Dr. Manju Agarwal (MBBS, DGO)** who established their integrity, creditability in the Medical & Homoeopathic field. Dr. Agarwal is dedicated for the promotion of health education in the field of homoeopathy.

QUOTES OF FAMOUS INDIANS ABOUT HOMEOPATHY



“Homeopathy.... cures a larger percentage of cases than any other method of treatment and is beyond doubt safer and more economical and most complete medical science”.

~Mahatma Gandhi~

Abdul Kalam Azad
(Ex-President of India, Scientist)



“I believe in Homeopathy.”



Homeopathy did not merely seek to cure a disease but treated a disease as a sign of disorder of the whole human organism. This was also recognized in the Upanishad which spoke of human organs as combination of body mind and spirit. Homoeopathy would pay an important part in the Public Health of the country along with other systems. Medical facilities in India are so scanty that Homoeopathy can confidently visualize a vast field of expansion.

~Dr. S. RadhaKrishnan – Former President, Govt. of India~



NARENDRA MODI

Prime Minister of India

Holistic Healthcare remains a very big attraction. Best of the doctors are moving towards homeopathy. There's a mood for Holistic Healthcare. There's a mood to go forward stress free life from a stressful life.

विश्व होम्योपैथी दिवस पर विशेष • मीठी मीठी गोलियां मिटा देती हैं रोग, होम्योपैथी दवाओं का बढ़ रहा प्रयोग

कोरोना के बाद होम्योपैथी में बढ़ रहा विश्वास, ओपीडी में बढ़े चालीस फीसदी मरीज, दवा

मास्कर नयन | ब्यार

कोरोना काल की कड़वाहट के बीच लोगों में 'मीठी गोलियों' पर विश्वास का प्राफ तेजी से बढ़ा है। होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति की ओर लोगों का रुझान बढ़ने लगा है।



होम्योपैथिक डॉक्टरों की ओपीडी में करीब चालीस फीसदी मरीज बढ़े हैं। दवाओं की बिक्री में भी पहले की तुलना में 20 से 30 फीसदी की वृद्धि हुई है। कोरोना के दौर में जब आयुष्य मंत्रालय द्वारा शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए होम्योपैथी दवा के सेवन की सलाह दी गई। उसके बाद अचानक लोगों में इस पद्धति को लेकर जागरूकता और विश्वास बढ़ा। इसके बाद लोग अब हर रोग के इलाज के लिए होम्योपैथी का सहारा ले रहे हैं। होम्योपैथी चिकित्सक डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत बताते हैं कि इस चिकित्सा पद्धति में विश्वास करने वाले मरीजों की संख्या दो गुना तक बढ़ी है। उन्होंने बताया कि कोरोना में होम्योपैथी दवाएं कारगर साबित हुईं। जिन कोरोना संक्रमित मरीजों ने होम्योपैथी दवाएं ली,

उन्हें आसानी से ज़रूरत नहीं पड़ी। इससे लोगों का होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति की ओर रुझान बढ़ा है। मेरे ओपीडी में करीब चालीस फीसदी मरीज बढ़ गए हैं। गैंगेर बीमारियों के मरीज अब शुरूआती दौर में ही आने लगे हैं। दवाओं की बिक्री भी दोगुनी हो गई है। इस चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने की ज़रूरत है। इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं है। डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत ने बताया कि होम्योपैथी की दवाओं में एलोपैथी जैसे साइड इफेक्ट्स नहीं हैं। साथ ही वायलर संक्रमण और

जीवनशैली से जुड़ी दूसरी बीमारियों में होम्योपैथी कारगर साबित हो रही है। **रोग का होता पूरी तरह छात्मा**
उन्होंने बताया कि होम्योपैथिक दवाओं के प्रयोग से बेशक मरीज को ठीक होने में समय लगता है पर यह रोग को पूरी तरह से खत्म कर देती है। इसका साइड इफेक्ट भी नहीं होता। दवा की नियमित रूप से लेना व दवा लेने के पूर्व मुंह का पूरी तरह साफ होना बहुत आवश्यक है। तंबाकू या किसी भी तरह के गुटखा का सेवन करने के तुरंत बाद होम्योपैथी की

दवा को उतना कारगर नहीं है जो महिलाओं में मानसिक धर्म की अनियंत्रिता, रस्तन, बन्देदनी में गाँठ, दुयुमर, फिस्टीला, स्टांस, माइग्रेन, एलर्जी, ल्यूसोरोया, जैसी बीमारियों को होम्योपैथिक दवाओं से बिना किसी दुष्प्रभाव व अंपीरेशन के इलाज संभव है। अब होम्योपैथी कई प्रमुख औद्योगिक राष्ट्रों की स्वास्थ्य देखागल प्रणालियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जिसमें अधिकांश परिवर्तनीय दवाएं भी शामिल हैं। **विश्व होम्योपैथी दिवस का इतिहास**
प्रतिवर्ष 10 अप्रैल को विश्व होम्योपैथी दिवस मनाया जाता है। होम्योपैथी के जनक माने जाने वाले जर्मन मूल के ईसाई फ्रेडरिक विल्हेम हेनोमेन का जन्म 10 अप्रैल को ही हुआ था। इस साल उनकी 266वीं जयंती है। विश्व होम्योपैथी दिवस केवल डॉ. हेनोमेन की जयंती के उपलक्ष्य में ही नहीं मनाया जाता बल्कि होम्योपैथी को आगे ले जाने की रणनीतियों मनाया जा

59% shift to homeopathy

A recent study conducted by IMRB on 'Acceptance of Homeopathy in India' across Mumbai, Bengaluru, Hyderabad, New Delhi, Kolkata, Chennai, Pune and Ahmedabad has revealed that 59% of people have shifted from allopathy to homeopathy. At least 77% believe homeopathy is the best form of treatment for

दो साल से बेहोश साइमा मीठी गोलियों से ठीक

शरीर। मास्कर नयन के जुनिफकर अक्षय की 23 वर्षीय बेटी साइमा दो साल से बेहोश हो गईं। डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत ने बताया कि इस रोग को ठीक करने में 20 दिनों तक दवाएँ देनी पड़ीं। साइमा को ठीक करने में डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत ने 20 दिनों तक दवाएँ देनी पड़ीं। साइमा को ठीक करने में डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत ने 20 दिनों तक दवाएँ देनी पड़ीं। साइमा को ठीक करने में डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत ने 20 दिनों तक दवाएँ देनी पड़ीं।



अभिज्ञा इलाज से 20 दिनों में ठीक हो गई साइमा का परिवार को भूला जाया के दरकार में पड़े

रोज का नर्वस भोजन शुरू होने लगा। हाथ भी मुड़ी कर रहने लगीं। भोजन पकड़ लिया, खना फोटा छोड़ दिया। कठोर कष्ट का निवारण करने में परंपरागत चिकित्सा के आगे समाप्त नकार दिया।

दिल्ली, 12 अप्रैल, 2022 | विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में, डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत और डॉ. विक्रम कुमार द्वारा किया गया एक कार्यक्रम का आयोजन को निगेटिव उसलवार

घर का डॉक्टर कोरोना के दौरान होम्योपैथी पर भरोसा कायम रहा, जर्मनी में सवा पांच हजार करोड़ रुपया का है सालाना कारोबार

70% जर्मन होम्योपैथी को राष्ट्रवादी पद्धति मान रहे

डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत ने बताया कि जर्मनी में सवा पांच हजार करोड़ रुपया का है सालाना कारोबार। डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत ने बताया कि जर्मनी में सवा पांच हजार करोड़ रुपया का है सालाना कारोबार। डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत ने बताया कि जर्मनी में सवा पांच हजार करोड़ रुपया का है सालाना कारोबार।

वडा सवाल वोटर की उम्र 18 से बढ़ाई

कोई ठहर माना कर रहे, भजनवा व शास्त्री के कर्ते सांसद भी आसपास घूमने के पक्ष में

गुजरात सरकार - 12 अप्रैल

When allopathy fails, homeopathy begins: Experts

ANAMIA PANDA
TRIBUNE NEWS SERVICE

New Delhi, January 2
While doctors attribute the rise of several factors, including the cost-effectiveness of homeopathy and side effects of allopathic drugs, several national-level trials and studies are underway to assess the efficacy of homeopathic medication in controlling the complications arising in several diseases.

homeopathy surely takes an edge when it comes to viral ailments, like chikungunya, viral conjunctivitis, chickenpox, etc. and it also ensures better management of chronic as well as incurable diseases, including cancers, HIV/AIDS and TB by preventing complications and facilitating palliative care.

steroids. This is when the role of homeopathy begins and these days, it is becoming popular due to the side effects of allopathic drugs, which may only suppress the symptoms. Take for example, pain killers like rofecoxib and ibuprofen in case of arthritis these actually deplete the bones and make the person weak. However, this would not happen with the homeopathic drugs," said Dr SPS Bakshi, president of the Homeopathic Medical Association of India.

allopathic medicines. These treat the cause while the allopathy only destroys the symptoms. So, the merits of traditional system in managing allergies and chronic disorders cannot be ruled out, says homeopathy.

in patients resorting to homeopathic advice has been seen.

of patients resorting to homeopathic advice has been seen.

of patients resorting to homeopathic advice has been seen.

of patients resorting to homeopathic advice has been seen.

90% का होम्योपैथी पर भरोसा

एजेंसी नवज्योति, नई दिल्ली

आईएमआरबी इंटरनेशनल द्वारा मुम्बई, बैंगलोर, हैदराबाद, नई दिल्ली तथा कोलकोता में कराए गए सर्वेक्षण का अनुसार 90 फीसदी लोगों ने होम्योपैथी को एक विश्वसनीय उपचार के तौर पर माना है और इसका प्रयोग उपचार के किसी अन्य सामान्य जनता में कराये गये सर्वेक्षण

विषय में जानते हैं और 92 फीसदी होम्योपैथी को एक प्रतिष्ठित उपचार तौर पर मानते हैं। लोग होम्योपैथी का अधिकतर पीठ के दर्द, पेट की समस्या, त्वचा तथा केश उपचार के लिए प्रयोग करते हैं। होम्योपैथी उपयोगकर्ताओं में 91 प्रतिशत अपने उपचार से संतुष्ट पावे गये और 93 प्रतिशत उपचार से संतुष्ट स्व अधिक होने के कारण

नव भारत

कठिन रोगों के लिए सर्वोत्तम होम्योपैथी

आरामना, मधुमेह, सांजुट दाग, माइग्रेन जैसे कठिन रोगों के लिए होम्योपैथी सर्वोत्तम उपचार पद्धति है। होम्योपैथी में ऐसी बीमारियों का निवारण होता है जो दूसरी उपचार पद्धतियों से उपचार संभव नहीं है, लेकिन रोग जड़ से खत्म होता है और दुष्प्रभाव होने की आशंका नहीं रहती है। डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत ने बताया कि जर्मनी में सवा पांच हजार करोड़ रुपया का है सालाना कारोबार। डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत ने बताया कि जर्मनी में सवा पांच हजार करोड़ रुपया का है सालाना कारोबार।

होम्योपैथी के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित डॉ. शाह

उपचार प्रणाली के जड़ों को विकसित करने में आप विना भी पा सकते हैं। डॉ. शाह के उपचार को साबित करने के लिए है। डॉ. शाह के उपचार को साबित करने के लिए है। डॉ. शाह के उपचार को साबित करने के लिए है।

IIT-B team shows how homeopathy works

Mumbai: Six months after the British Medical Association published homeopathy as witchcraft with no scientific basis, IIT scientists have said the secret white pills work on the principle of nanotechnology. Homeopathic pills containing naturally occurring metals such as gold, copper and iron retain their potency even when diluted to a nanometre or one-billionth of a metre, states the IIT-Bombay research published in the latest issue of 'Homeopathy', a peer-reviewed journal from reputed medical publishing firm Elsevier.

IIT-B's chemical engineering department bought homeopathic pills from neighbourhood shops, prepared highly diluted solutions and checked these under powerful electron microscopes to find nanoparticles of the original metal.

"Certain highly diluted homeopathic remedies made from metals still contain measurable amounts of the starting material, even at extreme dilutions of 1 part in 10 raised to 400 parts (200C)," said Jayesh Bellare from the scientific team

स्वास्थ्य क्षेत्र में होम्योपैथी का है महत्वपूर्ण योगदान

जागण संवाददाता, कोलकाता : राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने शुक्रवार को देश के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में होम्योपैथी और भारतीय चिकित्सा पद्धतियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर 'आइडोरियम' में आयोजित डिनर मानती में हैं। प्रणव ने कहा कि राष्ट्रपति भवन में एक होम्योपैथी केंद्र खोला गया है जहाँ बड़ी संख्या में मरीज आ रहे हैं।



राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने शुक्रवार को देश के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में होम्योपैथी और भारतीय चिकित्सा पद्धतियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर 'आइडोरियम' में आयोजित डिनर मानती में हैं। प्रणव ने कहा कि राष्ट्रपति भवन में एक होम्योपैथी केंद्र खोला गया है जहाँ बड़ी संख्या में मरीज आ रहे हैं।



आप पढ़ रहे हैं देश का एकमात्र नो निगेटिव उसलवार

MIRACLES OF HOMOEOPATHY

होम्योपैथिक दवाई के सिंगल डोज से निकली 14 एमएम की गठान

» नागपुर के चार डॉक्टरों ने दी थी ऑपरेशन की सलाह

» डॉ. राजेश अरोरा के उपचार से स्वस्थ हुई 2 वर्षीय मासूम

वैतुल (राष्ट्रीय जनादेश)। आज के समय में जब अधिकतर लोग बीमार होने पर एलोपैथिक डॉक्टरों और दवाइयों को ही प्राथमिकता देते हैं। एलोपैथिक दवाइयों पर ही आंख मूंद कर भरोसा करते हैं ऐसे समय में वैतुल के होम्योपैथी डॉक्टर ने एक दो वर्षीय मासूम की आंत (इंटेस्टाइन) में मौजूद 98 एमएम की गठान (सिस्ट) बिना ऑपरेशन के होम्योपैथी दवाई के सिंगल डोज से निकालने में सफलता प्राप्त की है। दवाई देने के 6 दिन के बाद ही उक्त गठान मासूम के शौच के रास्ते से निकल गई जिससे मासूम ऑपरेशन में होने वाली परेशानी से बच गई वहीं परिजनों के भी ऑपरेशन में खर्च होने वाले लगभग 40 हजार रूपए बच गए।

4 माह से शौच के साथ आ रहा था ब्लड

वैतुल निवासी श्रीमति आरती दुनमुआ की दो वर्षीय मासूम बेटी अनाया पिछले चार साल से परेशान थी। अनाया को शौच के साथ ब्लड आ रहा था। जिसके चलते परिजनों ने उन्हें नागपुर ले गया। जहां शिशु रोग विशेषज्ञ के साथ चार सर्जनों से अनाया का उपचार करवाया। लेकिन आराम नहीं लगा।

कॉलोनेस्कोपी जांच में दिखी गठान

अनाया की माताजी आरती



दुनमुआ ने बताया नागपुर में डॉक्टरों ने कॉलोनेस्कोपी जांच करवाई जिसमें अनाया की आंत (इंटेस्टाइन) में गठान दिखाई दी। एन्डोस्कोपी जांच में उक्त गठान 6 से 8 एमएम की दिखाई दी। जिससे डॉक्टरों ने ऑपरेशन करके गठान निकालने की सलाह दी। चार अलग-अलग सर्जनों को रिपोर्ट दिखाई सभी ने ऑपरेशन कर गठान निकालने की सलाह दी। ऑपरेशन में लगभग 50 से 60 हजार खर्च लगने की बात कही। दो वर्षीय मासूम को ऑपरेशन नहीं करवाने का सोचकर परिजन वैतुल आ गए।

सिंगल डोज दवाई से निकली गठान

अनाया की मां श्रीमती आरती ने बताया कि वैतुल में उन्हें किसी परिचित ने होम्योपैथी चिकित्सक डॉ. राजेश अरोरा को दिखाने की सलाह दी। वे 30 दिसंबर को अनाया को लेकर डॉ. अरोरा के लिंक रोड स्थित क्लीनिक पहुंचे।

उन्हें नागपुर की सभी रिपोर्टें दवाईयां दिखाईं। डॉ. अरोरा होम्योपैथी की सिंगल डोज दवाई दी। जिसे हमने अनाया को दिसंबर को पिलाया। दवाई पिलाने के 6 दिन बाद ही 5 जनवरी अनाया के शौच के साथ गठान निकल गई।

14 एमएम की थी गठान

डॉ. राजेश अरोरा ने ब्र एंडोस्कोपी रिपोर्ट में गठान 6 से 8 एमएम की बताया जा रही थी इन्टेस्टाइन में रेक्टम से सेंटीमीटर दूर थी। जब गठान निकली तो वह 14 एमएम की जो सिंगल डोज होम्योपैथी दवाई से बिना ऑपरेशन के निकल गई। डॉ. राजेश अरोरा ने बताया गठान निकलने के बाद अनाया शौच के साथ ब्लड आना भी हो गया है। डॉ. अरोरा ने गठान बायोपसी के लिए भी भिजवाई है। बायोपसी फॉलोअप के बाद आगे का उपचार बताया जाएगा।

Homoeopathy doc claims to have treated cancer patient

■ District Correspondent
YAVATMAL, Nov 29

“PEOPLE still have misconceptions about homoeopathy. But, I have been treating many patients suffering from cancer and kidney related ailments. Recently, I treated Lalita Rathod, a cancer-affected patient from Brahmanwada village and made her free from the



Dr Vinayak Rathod



Lalita Rathod

survivor Lalita Rathod was also present at the press conference.

Addressing the journalists, she said that she was diagnosed with cancer after various tests and later her uterus was removed by a noted surgeon in Nagpur. However, soon after few days she was diagnosed with cancer and the family were not ready to go for another surgery. Meanwhile, she came to know

Comatose Patient Recovers Within 72 Hours With Homeopathic Treatment

Dr. Vinayak Rathod's treatment was successful. Atif, who was in a coma for a month, improved

Yavatmal : 16 year old Atif Shaikh, who was in coma for near about 1 month, recovered completely with only homeopathic treatment and

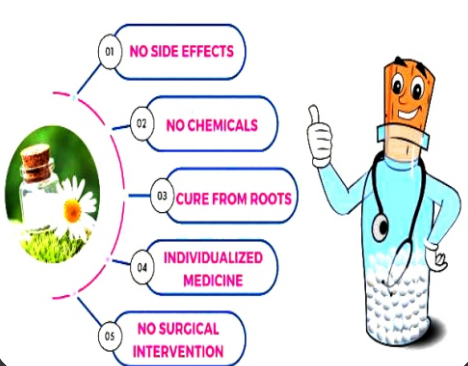


Within eight days he started to sit up.

Atif himself came to clinic with his family on June 20 after coming out of coma.

Why Choose Homeopathy

WHY CHOOSE HOMEOPATHY



Why do we need to choose Homeopathy?

- More & more people (65%+) are choosing alternatives for daily health needs.
- Homeopathy : 2nd most widely used in primary care (latest W.H.O. survey)
- "Homeopathy is the medicine for 21st century" (1999 statement by W.H.O.)
- Homeopathy : the gentlest form of medicine known to mankind
- Homeopathy : the most cost-effective approach
- Most have no known side effects and as such is safer than most 'over the counter' medicines.
- 200 year old well researched branch of medicine



Homeopathy Is Economical
Homeopathic pills are economical, affordable and cuts back health care costs by 70-80% as compared to conventional treatments.

Typical Cases Treated By Homeopathy at YPSM HOSPITAL



NASAL POLYP



FOLLICULITIS

Scope After Doing BHMS



HIMACHAL PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION
हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग
HPPSC RECRUITMENT
HOMOEOPATHIC MEDICAL OFFICER
TOTAL VACANCY - 22



APPSC
Medical Officers (Homoeopathy)
Notification 2022
Homoeopathic Medical Officer 2024
HIMACHAL PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION
Start date :29/02/2024
Last date:27/03/2024

अब आर्मी में नियुक्त होंगे आयुष चिकित्सक

भोपाल = दिलीप पात

आयुषज्ञान योजना के तहत हेल्थ एवं वेलनेस केंद्रों पर नियुक्ति

साल भर में नौ हजार आयुष चिकित्सक तैनात होंगे

हिन्दुस्तान जॉब्स

चण्द विवेक | नई दिल्ली

र-एलोपैथिक पद्धति आयुर्वेद, मिथोपैथ, यूनानी एवं सिद्धा के चिकित्सकों के लिए अच्छी खबर है। उनके लिए सरकारी नौकरियों का अवसर हमने खोजा है। आने वाले कुछ सालों में नौ हजार आयुष चिकित्सकों की तैनाती की जाएगी। यहाँ, पांच साल में यह संकड़ा खटकर 75 हजार हो जाएगा। नियुक्तियाँ आयुषभारत भारत योजना के अंतर्गत से तैयार होने जा रहे हैं। मुख्य हेल्थ एंड वेलनेस केंद्रों के लिए की जाएगी। केंद्रीय आयुष मंत्रालय के सचिव के द्वारा

स्वास्थ्य सेवाएं सुधरेगी

05 साल में 75 हजार पदवीगी आयुष चिकित्सकों की नियुक्तियों की संख्या

1.5 लाख हेल्थ एंड वेलनेस केंद्रों पर आयुषभारत योजना के तहत नियुक्तियाँ होगी

तैनाती की जानी है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए अगले पांच सालों में 75 हजार आयुष चिकित्सकों की भर्ती की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारे सामने अपने देश को योग्य आयुष चिकित्सक भूरीया करने की चुनौती है। वेल्नर आयुष प्रोजेक्ट तैयार करने के लिए हमने शिक्षा के क्षेत्र में प्रशासनिक सुधार किया है।

चाहे तो आयुर्वेद हो, होमियोपैथ हो या यूनानी सभी अपने आप में पूर्ण हैं। जायकारी के मुताबिक, अगले एक साल में केंद्र द्वारा स्वीकृत लगभग 18 हजार हेल्थ एंड वेलनेस केंद्रों पर 9 हजार आयुष चिकित्सकों की भर्ती की जाएगी। हालांकि, आयुष चिकित्सकों की भर्ती का काम राज्य सरकारों की ओर से किया जाएगा।

CORE CLINICAL SERVICES

EXCELLENT JOB OPPORTUNITY FOR BHMS / BAMS DOCTORS to join the world of Healthcare IT

Requirements

- BHMS/ BAMS Degree with an internship completed
- Excellent knowledge of Medical terminologies
- Ability to analyze medical / clinical reports

We will provide you with extensive training on protocols, process and software tools.

NOW HIRING!

BAMS, BHMS, BDS, BPT, BUMS

Doctors (Non-Clinical)

~ Salary Range: 4.5 LA to 6 LPA

~ Hiring From PAN India Locations



EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

HOMEOPATHIC PHYSICIAN POST

SALARY: Rs. 50,000/-

WALK-IN-INTERVIEW



We're HIRING

We Are Hiring BHMS / BAMS / BUMS Doctors for Cardiac Ambulance.

JOB DESCRIPTION :

- To handle all types of Emergency cases coming to cardiac ambulance
- To give medical coverage to the patients while in transportation in road /air ambulance.
- To answer the medical queries of the patients or their attendants as and when required.
- To Comply with patient safety policy
- To ensure safe utilization of equipment and proper waste disposal system.



Distinguished Alumnus



Dr. Subash Kaushik
Director General
CCRH, Govt. of India



Dr. Arvind Kumar Verma
Director Department of
Homeopathy, Govt. of UP



Dr. Raj Rani Yadav
Director Homeopathy,
Govt. of Rajasthan



Prof. (Dr.) Yogendra Singh Mahur
Principal Govt. Homeopathy
Medical College, Aligarh, UP

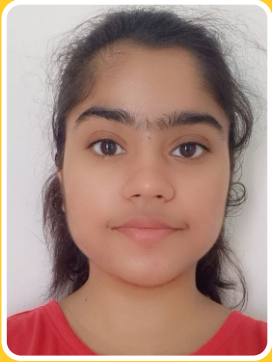


Dr. Bipin Lakhera
Former Director
CCRH, Govt. of India

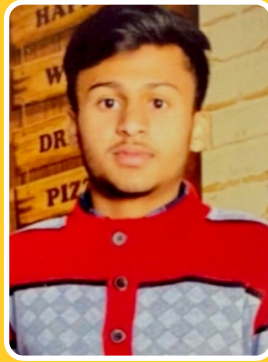


Dr. Anita Sharma
Ex. (Deputy Director (Dept. of Ayush)
Govt. of Uttar Pradesh

YPSM TOPPERS



**Muskan
Sharma**
BHMS - Ist
Batch - 2021
Position - Ist



**Deepanshu
Sharma**
BHMS - Ist
Batch - 2021
Position - IInd



Rashi Pathak
BHMS - IInd
Batch - 2020
Position - Ist



Akshita Goyal
BHMS - IInd
Batch - 2020
Position - IInd



**Vaishali
Gupta**
BHMS - IIIrd
Batch - 2019
Position - Ist



Ambica Jhalani
BHMS - IIIrd
Batch - 2019
Position - IInd



**Vanshika
Bhardwaj**
BHMS - Final
Batch - 2019
Position - IInd



**Gunjan
Shekhawat**
BHMS - Final
Batch - 2018
Position - Ist



Pooja
BHMS - Final
Batch - 2018
Position - IInd

ACTIVITIES @ YPSM



Clinical Case Presentation



Lab Experiments



Mr. Handsome & Miss Beautiful



Free Health Checkup Camp



Medical Camp



Academic Prize Distribution



Farewell Function



Annual Function



Cultural Programme



***For Career Guidance
& Admission***

Dr. Ashok Pathak
(Academic Dean / Professor & HOD)
Mob.: 9414018721

Er. Harpreet Singh
(Asso. Prof. / Admission Incharge)
Mob.: 9314020278

Mrs. Renu Sharma
Admission Coordinator
Mob.: 9827530620

Mr. Harish Sharma
Admission Counsellor
Mob.: 9462720843

YPSM Campus: **Shivaji Park, Alwar (Raj.) 301001**

Ph.: 0144 - 2730013 | Mob.: 9116008904 | www.ypsmhomoeocollege.in

As per Instruction of Hon'ble Supreme Court, any student if found indulged in ragging will be expelled from the institution / hostel.